प्राध्यापक (संस्कृत शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा -2020

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
Number of Pages in Booklet : 16

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या / Question Paper Booklet No.

8206925

LSK-02

परीक्षा दिनांक :- 16/12/20
समय :- 02:00PM To 05:00PM

Paper Code : 05

Sub: Jyotish Shastra

समय : 3.00 घण्टे
Time : 3.00 Hours

PAPER-II

अधिकतम अंक : 300
Maximum Marks : 300

प्रश्न–पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक के पेपर सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उसके प्रश्न–पत्र पुस्तिका पर वही प्रश्न–पत्र पुस्तिका संख्या अंकित है जो उत्तर पत्रक पर अंकित है । इसमें कोई भिन्नता हो तो परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न–पत्र प्राप्त कर लें । ऐसा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी ।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Paper Booklet the candidate should ensure that Question Paper Booklet No. of the Question Paper Booklet and Answer Sheet must be same. If there is any difference, candidate must obtain another Question Paper Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल **एक** ही उत्तर दीजिए ।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
5. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमश: 1, 2, 3, 4 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर पत्रक पर **नीले बॉल प्वाइंट पेन** से गहरा करना है ।
6. **OMR** उत्तर पत्रक इस परीक्षा पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको परीक्षा पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें ।
7. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है । किसी भी प्रश्न से संबंधित गोले या बबल को खाली छोड़ना गलत उत्तर नहीं माना जायेगा ।
8. मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।
9. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत अथवा अपूर्ण रोल नम्बर भरने पर **5 अंक** कुल प्राप्तांकों में से काटे जा सकते हैं ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए विविध नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही विभाग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली विभाग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. Answer **all** questions.
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question.
4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
5. Each question has four alternative responses marked serially as **1, 2, 3, 4**. You have to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using **BLUE BALL POINT PEN**.
6. The **OMR** Answer Sheet is inside this Test Booklet. When you are directed to open the Test Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **blue ball point pen** only.
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question. Leaving all the relevant circles or bubbles of any question blank will not be considered as wrong answer.
8. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
9. Please correctly fill your Roll Number in O.M.R. Sheet. **5 Marks** can be deducted for filling wrong or incomplete Roll Number.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted. Department may also debar him/her permanently from all future examinations.

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए ।
Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

1. 'पाटी गणित' कस्य ग्रन्थ स्याभि धानम् वर्तते ।

(1) रेखा गणितम्

(2) लीलावती

(3) बीजगणितम्

(4) ग्रहलाघवम्

2. 2अ + 3क – 5न, 5क – 4अ + 2न, – 3क – 5अ – 3न योगफलं किम् ?

अत्र अ = 2क = 2न = 4

(1) – 23

(2) – 38

(3) – 15

(4) 23

3. अत्र अ = 5, क = 3, न = 4 अत्र न – (अ–क) मानम् किम् ?

(1) 2

(2) 7

(3) 5

(4) 3

4. अनन्त राशि जातः

(1) $0 \times 2 = 0$

(2) $0 \div 3 = 0$

(3) $3 \div 0 = \frac{3}{0}$

(4) $3 + 0 = 0$

5. $(3 \times \sqrt{5})^2 =$

$(3 \times \sqrt{5})^2 =$

$3 \times \sqrt{5}$ समद्विघात वर्ग कः ?

(1) 45

(2) 48

(3) 49

(4) 36

6. अ^2 + 5अ + 6 वा अ^2 + 6अ + 8 उभयो पदयोः महत्तम समापवर्तनं किम् ?

(1) अ + 2

(2) अ^2 + 2

(3) अ – 2

(4) अ^2 – 2

7. रूप त्रयं स्वं क्षयगं च खं च
किं स्यात् खयुक्तं वद खाच्युतं च ।
उदाहरणस्य परिणामं किम् ?

(1) $0 - (+3) = -3$

(2) $0 \times 3 = 0$

(3) $0 \times -3 = 0$

(4) $0 \div 3 = 0$

8. योगोन्तरं तेषु समान जात्यो
विभिन्न जात्योश्च पृथक् स्थितिश्च ।
सूत्रस्योदाहरणं अस्ति –

(1) (य + 1) + (2 य – 8) = 3 य – 7

(2) रु 2 × रु 3 = रु 6

(3) रु 8 – रु 4 = रुप 4

(4) रु 3 ÷ 0 = $\frac{3}{0}$ अनन्तम्

9. बीजगणितस्य मंगलाचरणे कस्य गणितस्य वन्दता कृता ?

(1) व्यक्त गणितस्य

(2) अव्यक्त गणितस्य

(3) व्यक्ताव्यक्त गणितस्य

(4) पाटी गणितस्य

10. धनं धनेनर्ण मृणेन निघ्नं
द्वयं त्रणेण स्वमृणेन किं स्यात् ।
सूत्रानुसारेण वृत्तिःस्यात्

(1) रुप 2 × रु 3 = रु 6

(2) रु – 2 × रु – 3 = रु 6

(3) रु 2 × रु – 3 = रु – 6

(4) एतेषु सर्वे

11. घनात्मकानामघनात्मकानां ।
मूलं नवानां च पृथक् वदासु ।।
(1) $\sqrt{9} = 3$
(2) $\sqrt{9} = -3$
(3) $\sqrt{9} = 3, -3$
(4) $\sqrt{9} = 3\sqrt{3}$

12. योगे युतिः स्यात् क्षययोः स्वयोर्वा, धनर्णयोरन्तरमेव योगः, सूत्रस्योदाहरणम् किम्
(1) रु 3 रु 4 = 7
(2) रु 3 × रु 4 = 12
(3) रु 8 ÷ रु 4 = 2
(4) रु 3 × 0 = 0

13. कन्याराशेर्लङ्कोदय मानम् किम् ?
(1) 278
(2) 299
(3) 273
(4) 323

14. पलभा मानम् 9|00 अत्र मिथुन राशेः स्वोदय मानम् भवति –
(1) 299
(2) 293
(3) 305
(4) 223

15. चालन फल ऋणं भवति ?
(1) पंक्ति – इष्टकाल
(2) इष्टकाल – पंक्ति
(3) पंक्ति + इष्टकाल
(4) इष्टकाल × पंक्ति

16. मिथुन राशेः प्रथम नवमांश स्वामी कः ?
(1) भौमः
(2) शुक्रः
(3) जीवः
(4) चन्द्रः

17. मीन राशेर्द्वितीय होरा स्वामी कः ?
(1) सूर्यः
(2) चन्द्रः
(3) जीवः
(4) बुधः

18. त्रिंशांश स्वामी एतेषु समुचितं नास्ति ।
(1) मिथुन राशेर्पश्चांश पर्यन्तम् स्वामी – भौमः
(2) वृश्चिक राशेर्पश्चांश पर्यन्तम् स्वामी – शुक्रः
(3) कन्या राशेः अष्टादशांशस्य स्वामी – गुरुः
(4) सिंह राशेः त्रिंशाशस्य स्वामी – सूर्यः

19. एतेषु त्रिंशांश स्वामी नास्ति ।
(1) बुधः
(2) गुरुः
(3) सूर्यः
(4) भौमः

20. अयनांशस्य वार्षिक गतिः का ?
(1) 15 कला
(2) 50 कला
(3) 60 कला
(4) 30 कला

21. तुला राशेः प्रथम द्वादशांशस्य स्वामी कः ?
(1) शुक्रः
(2) भौमः
(3) गुरुः
(4) बुधः

22. एतेषु षड्वर्गे न परिगण्यते ?

(1) नवमांशः

(2) त्रिंशाशः

(3) होरा

(4) सप्तमांशः

23. वृष राशेः प्रथम सप्तमांशस्य राशिः कः ?

(1) वृश्चिकः

(2) वृषः

(3) सिंहः

(4) धनुः

24. ग्रहलाघवानुसारं सूर्यस्य मध्यम गतिः भवति –

(1) 58′/8″

(2) 58′/5″

(3) 60′/15″

(4) 50′/8″

25. ग्रहलाघवम्ग्रन्थोऽस्ति –

(1) करणग्रन्थः

(2) सिद्धान्तग्रन्थः

(3) तन्त्रग्रन्थः

(4) आर्षग्रन्थः

26. "रूप" शब्देन बोधो भवति

(1) 3

(2) 1

(3) 4

(4) 2

27. खवेदा इत्यनेन ज्ञायते –

(1) 50

(2) 30

(3) 40

(4) 10

28. ग्रहलाघवे चक्रं कति वर्षात्मकं गृहीतम् –

(1) 9

(2) 11

(3) 10

(4) 14

29. भौमस्य ध्रुवाङ्को भवति –

(1) 1|25|32|00

(2) 1|14|2|0

(3) 9|2|45|00

(4) 4|3|27|00

30. दिनार्धपूर्वं यदि इष्टकालो भवेत् तदा –

(1) उत्तरनतः

(2) पश्चिमनतः

(3) दक्षिणनतः

(4) पूर्वनतः

31. पंक्ति स्वेष्टाद् भवेदग्रे तदा –

(1) चरचालनम्

(2) स्थिरचालनम्

(3) ऋणचालनम्

(4) धनचालनम्

32. एकस्मिन् राशौ कति द्रेष्काणाः भवन्ति

(1) 5

(2) 7

(3) 9

(4) 3

33. नक्षत्रस्यांशात्मकमानम् –

(1) 13°

(2) 15°

(3) 16°

(4) 13°/20′

34. अहोरात्रे कालो भवति –

(1) 24 घटी

(2) 100 घटी

(3) 48 घटी

(4) 60 घटी

35. भभोगो भवति –

(1) नक्षत्रस्य सम्पूर्णमानम्

(2) नक्षत्रस्य अर्धमानम्

(3) नक्षत्र प्रारम्भकालतः इष्टकालपर्यन्तम्

(4) किमपि न

36. विंशोत्तरीमहादशायां भवति

(1) 108 वर्षः

(2) 36 वर्षः

(3) 120 वर्षः

(4) 126 वर्षः

37. पराशरमते दशाप्रकारः

(1) 45

(2) 50

(3) 42

(4) 3

38. लघुपाराशर्यां श्लोकाः सन्ति –

(1) 40

(2) 42

(3) 45

(4) 35

39. यदि त्रिकोणेशः केन्द्रे संस्थितः तदा

(1) दारिद्र्ययोगः

(2) राजयोगः

(3) मृत्युयोगः

(4) किमपि न

40. मारकेशो भवति

(1) सप्तमेशः

(2) लग्नेशः

(3) षष्ठेशः

(4) दशमेशः

41. मारकैः सह सम्बन्धान्निहन्ता पापकृत्

(1) शनिः

(2) भौमः

(3) रविः

(4) शुक्रः

42. कन्याराशौ बुधस्योच्चांशाः

(1) 15°

(2) 5°

(3) 20°

(4) 27°

43. धनुराशि इत्यस्य तत्त्वं भवति

(1) वायुतत्त्वम्

(2) अग्नितत्त्वम्

(3) जलतत्त्वम्

(4) भूमितत्त्वम्

44. जलतत्त्वग्रहो भवति

(1) बुधः

(2) भौमः

(3) सूर्यः

(4) शुक्रः

45. द्विस्वभावसंज्ञको भवति

(1) मेषः

(2) कर्कः

(3) सिंहः

(4) कन्या

46. मेषराशि रस्तिः
(1) श्यामवर्णः
(2) रक्तवर्णः
(3) पितवर्णः
(4) विचित्रवर्णः

47. मिथुनराशौ प्रथमनवमांशेशः कः
(1) शुक्रः
(2) बुधः
(3) भौमः
(4) चन्द्रः

48. नाडीकूटस्य गुणो भवति
(1) 5
(2) 4
(3) 8
(4) 7

49. कदा विवाहो न भवति
(1) यदा सूर्यः मिथुनराशौ भवेत् ।
(2) यदा सूर्यः मीनराशौ भवेत् ।
(3) यदा सूर्यः मेषराशौ भवेत् ।
(4) यदा सूर्यः वृश्चिकराशौ भवेत् ।

50. शुभतारा अस्ति
(1) प्रत्यरि
(2) वधः
(3) विपदः
(4) क्षेमः

51. 'क' इत्यस्य वर्गो भवति –
(1) गरूडः
(2) सिंहः
(3) श्वानः
(4) विडालः

52. विजयादशमी कदा भवति –
(1) आश्विन कृष्णपक्ष दशभ्याम्
(2) आश्विन शुक्लपक्ष दशभ्याम्
(3) कार्तिक शुक्ल दशभ्याम्
(4) मार्गशीर्ष शुक्ल दशभ्याम्

53. केषु नक्षत्रेषु वधूप्रवेशः शुभो भवति –
(1) ध्रुवक्षिप्रभृदुभे
(2) उग्रक्षिप्रभृदुभे
(3) पूर्वात्रयेषु
(4) चलउग्रक्षिप्रभे

54. केतकीग्रहगणितानुसारं भौमस्य क्षेपकांको भवति –
(1) 5|4|3|4
(2) 8|5|3|2
(3) 10|7|8|0
(4) 2|3|2|0

55. मन्दोच्चात् ग्रहवर्जितं तदा
(1) पातः
(2) भुजः
(3) कोटी
(4) केन्द्रम्

56. केतकीग्रहगणिते शकः गृहीतः
(1) 1442
(2) 1400
(3) 1800
(4) 1427

57. सौरमासाः + अधिमासाः = किम् ?
(1) चान्द्रमासाः
(2) क्षयमासाः
(3) सावनमासाः
(4) नाक्षत्रमासाः

58. केतकीमतानुसारं भूपरिधिरस्ति –
(1) 4967 योजनानि
(2) 2500 योजनानि
(3) 1581 योजनानि
(4) 90 योजनानि

59. सूर्यस्योच्चध्रुवकाः सन्ति
(1) 290
(2) 126
(3) 225
(4) 303

60. लोकव्यवहारे कालमानं कतिविधम् ?
(1) नवविधम्
(2) पञ्चविधम्
(3) चतुर्विधम्
(4) अष्टविधम्

61. देवानां दिनार्धं भवति
(1) सायनमेषादौ
(2) सायनतुलादौ
(3) सायनमकरादौ
(4) सायनकर्कादौ

62. द्विसंक्रान्तिमासः भवति –
(1) चान्द्रमासः
(2) सावनमासः
(3) अधिमासः
(4) क्षयमासः

63. षड्भिः प्राणैः........भवति –
(1) विनाडी
(2) होरा
(3) नाडी
(4) मासः

64. एकस्मिन् दिव्यवर्षे कति सौरवर्षाणि भवन्ति ?
(1) 260
(2) 460
(3) 360
(4) 450

65. एकस्मिन् महायुगे सौरवर्ष संख्या काः ?
(1) 4800
(2) 1728000
(3) 4320000
(4) 1200

66. गृहारम्भे कस्य विचारः क्रियते –
(1) वृषभचक्रस्य
(2) कुम्भचक्रस्य
(3) पञ्चशलाकाचक्रस्य
(4) सप्तशलाकाचक्रस्य

67. कस्मिन् युगे वास्तुपुरुषोत्पत्तिः
(1) त्रेतायुगे
(2) कलियुगे
(3) कृतयुगे
(4) द्वापरे

68. वर्गादिविचारे चवर्गस्य स्वामी अस्ति
(1) श्वानः
(2) सर्पः
(3) सिंहः
(4) मृगः

69. कूर्मपृष्ठ भूमि लक्षणमस्ति
(1) मध्येऽत्युच्चः
(2) मध्यभागेनीचः
(3) पूर्वभागे उच्चः
(4) पश्चिम भागे उच्चः

70. गृहनिर्माणे सिंह-कन्या-तुलाराशिषु राहुमुखं भवति

(1) ईशानकोणे

(2) वायव्यकोणे

(3) अग्निकोणे

(4) नैर्ऋत्यकोणे

71. शिलान्यासे प्रथमशिलायाः स्थापनं (न्यासः) क्रियते -

(1) अग्निकोणे

(2) पश्चिमे

(3) ईशानकोणे

(4) वायव्यकोणे

72. नाड़ीवृत्तस्य पृष्ठीयकेन्द्रं भवति

(1) समस्थानम्

(2) ध्रुवस्थानम्

(3) पूर्वस्वस्तिकम्

(4) कदम्बस्थानम्

73. क्रान्तिवृत्तं भवति -

(1) कदम्बस्थानात् नवत्यंशचापेन

(2) समस्थानात् नवत्यंशचापेन

(3) ध्रुवस्थानात् नवत्यंशचापेन

(4) खमध्यात् नवत्यंशचापेन

74. खमध्यात् नवत्यंशचापेन निर्मितं वृत्तम्

(1) समवृत्तम्

(2) याम्योत्तरवृत्तम्

(3) क्षितिजवृत्तम्

(4) कोणवृत्तम्

75. राशिज्ञानं भवति

(1) उन्मण्डलवृत्ते

(2) नाडीवृत्ते

(3) क्रान्तिवृत्ते

(4) क्षितिजवृत्ते

76. ग्रहाणां कति गोलकाः

(1) पञ्च

(2) सप्त

(3) नव

(4) एकादश

77. शरो भवति -

(1) याम्योत्तरे

(2) पूर्वापरे

(3) ऊर्ध्वाधरे

(4) किमपि न

78. खमध्यात् ग्रहपर्यन्तम्

(1) अक्षांशः

(2) उन्नतांशः

(3) लम्बांशः

(4) नतांशः

79. चन्द्रस्य मन्दपरिध्यंशाः वर्तते ?

(1) 31°/36'

(2) 11°

(3) 13°/40'

(4) 33°

80. एतेषु पञ्चज्यायां न परिगण्यते ?

(1) कुज्या

(2) घुज्या

(3) त्रिज्या

(4) क्रान्ति

81. अधोलिखितेषु उचित मेल नं नास्ति ।

(1) जयपुर वेधशाला 1728 ई. 26°/55′ अक्षांशोपरि

(2) उज्जैन वेधशाला 1734 ई. 23°/9′ अक्षांशोपरि

(3) वाराणसी वेधशाला 1735 ई. 29°/28′ अक्षांशोपरि

(4) दिल्ली वेधशाला 1724 ई. 28°/38′ अक्षांशोपरि

82. जयपुर वेधशालायां याम्योत्तर वृत्तस्य समानान्तरम् किम् ?

(1) रामयन्त्रम्

(2) दिगंश यन्त्रम्

(3) भित्ति यन्त्रम्

(4) कपाली यन्त्रम्

83. राजतुल्यो भवति भृगुनन्दने चेत् ?

(1) बलयुते लाभेऽथवा कत्रे

(2) स्वोच्चे

(3) मित्र नवांशे

(4) भाग्यस्थे

84. तारेश होरा सहिता न भोगा जातो.......स्यात्

(1) सर्वगुणाभिरामः

(2) परोपकारिणः

(3) यशस्वी मनुजाधिपः

(4) रिपुकुलध्वंसी

85. वित्तवान् योगः भवति चेत् –

(1) पञ्चादिकैः (पञ्चग्रहाः स्वनवांशे)

(2) त्र्याधै (त्रयग्रहाः स्वनवांशे)

(3) अश्विन्यां उदयस्थिते

(4) नीचे नवांशे

86. प्रश्न समये कार्य सिद्धिर्भवति यदि

(1) लग्ने क्रूर ग्रहाः

(2) शीर्षोदये लग्ने

(3) सौम्ये व्यये

(4) क्रूरे वर्गे

87. होरास्थितः पूर्ण तनुः......... जीवेन दृष्टो यदि वा सितेन ।

(1) भौमः

(2) रवि

(3) शशाङ्कः

(4) बुधो

88. हिबुकात् (चतुर्थ स्थानात्) को विचारो भवेत्

(1) वृष्टियोगं

(2) प्रवासं

(3) वृद्धिः

(4) निवृत्तिः

89. मनोविज्ञानस्य अनुसारेण सर्व विद्या शिक्षा अस्ति ?

(1) सचेतना

(2) क्रियात्मक

(3) उद्देश्यपूर्ण

(4) स्वशिक्षा

90. शिक्षा मनोविज्ञानस्य परिधिः अनन्ता परिवर्तनशील च अस्तीति कस्य विचारः ?

(1) विलियम जेम्स

(2) गेट्स

(3) हारलॉक

(4) वुण्ट

91. शिक्षा मनोविज्ञानस्य सम्बन्धो विद्यते ?

(1) अधिगन्त्रा

(2) अधिगम प्रक्रियया

(3) अधिगम दशाभिः

(4) सर्वे:

92. शिक्षा मनोविज्ञानस्य कार्यं किं नस्ति ?

(1) शैक्षिकोद्देश्यानां प्राप्तये प्रविधीनाम् अन्वेषणम्

(2) शैक्षिकलक्ष्याणां परिभाषी करणम्

(3) अधिगम प्रक्रियायाः अवबोधस्य प्रोन्नयनम्

(4) अधिगन्तुः उत्तमावबोधस्य प्रोन्नयनम्

93. कश्चित् शिक्षामनोवैज्ञानिकः किं मुख्यं करोति ?

(1) प्राक्कल्पनानां निर्माणम्

(2) शैक्षिक समस्यानां प्रायोगिक समाधानानाम् अन्वेषणम्

(3) शिक्षणकलायाः विकासः

(4) अधिकतम प्रभावशीलतायै शिक्षणविधीनाम् अन्वेषणम्

94. संज्ञानवादी मनोवैज्ञानिकः कः नास्ति ?

(1) डेविड आसुबेलः

(2) जीन पियाजे

(3) हलः

(4) जे.डी. नोवाकः

95. किशोरावस्था सतत विकासस्य एवं अवस्था अस्ति इति कस्य विचारः अस्ति ?

(1) जे. स्टेनली हालः

(2) हॉलिगवर्थः

(3) सिगमण्ट फ्रायडः

(4) एरिक इरिक्सन

96. पियाजे वर्यस्य संज्ञानात्मक विकासस्य सिद्धान्ते भाषा विकासः कस्मिन् चरणे भवति ?

(1) संवेदि – प्रेरकावस्थायाम्

(2) पूर्व संक्रियात्मकावस्थायाम्

(3) मूर्त–संक्रियात्मकावस्थायाम्

(4) रूप–संक्रियात्मकावस्थायाम्

97. परस्परं विरोधि मानसिकदशानाम् अवस्था मन्यते ?

(1) पूर्वबाल्यावस्था

(2) बाल्यावस्था

(3) किशोरावस्था

(4) प्रौढ़ावस्था

98. व्यक्तित्वदृष्ट्या किशोरावस्थायां कस्य विकासः अधिकः अस्ति ?

(1) आत्मसम्प्रत्ययस्य

(2) भाषाधिगमस्य

(3) अधिगम शैलीनाम्

(4) सर्वे विकल्पाः अनुचिताः

99. शिक्षायां कस्य उपयोगः अधिगमस्य विकासस्य च अनुमानाय क्रियते ?

(1) आकलनम् इत्यस्य

(2) मूल्यांकनम् इत्यस्य

(3) भापनम् इत्यस्य

(4) निदानम् इत्यस्य

100. यथा व्यक्तिः वयसा वर्धते, तस्य अधिगमः न्यूनो भवति ?

(1) गतिदृष्ट्या

(2) शक्तिदृष्ट्या

(3) मात्रादृष्ट्या

(4) गुणदृष्ट्या

101. निर्मितिवादि – शिक्षण प्रतिमाने समीचीनः क्रमः अस्ति ?

(1) संलग्नता, व्याख्या, अन्वेषणम्, विस्तारः मूल्यांकनम्

(2) संलग्नता, अन्वेषणम्, विस्तारः, व्याख्या, मूल्यांकनम्

(3) संलग्नता, अन्वेषणम्, व्याख्या, विस्तारः मूल्यांकनम्

(4) अन्वेषणम्, संलग्नता, व्याख्या, विस्तारः, मूल्यांकनम्

102. निर्मितिवादि-शिक्षणे अन्वेषणस्य अर्थः कः नास्ति ?

(1) अनुभवानां निर्माणस्य प्रारम्भिकः आधारः

(2) समूहे सूचनानाम् आदानप्रदानम्

(3) पारस्परिक प्रक्रियायाः सुगमीकरणम्

(4) पूर्वानुभवानां परिचयः

103. सामाजिक निर्मितिवादि – शिक्षणे अभिप्रेरणा भवति ?

(1) बाह्या

(2) आन्तरिकी

(3) उभयविद्या

(4) अस्पष्टा

104. समायोजनस्य मुख्य विशेषता का नास्ति ?

(1) द्विमार्गिता

(2) गत्यात्मकता

(3) द्वन्द्वानाम् आधिक्यम्

(4) सोद्देश्यता

105. समायोजनस्य अन्तिमं लक्ष्यं किम् अस्ति ?

(1) प्रतिस्थापनम्

(2) प्रतिपूर्तिः

(3) स्वप्रत्यक्षीकरणम्

(4) मार्गान्तीकरणम्

106. मानसिक स्वास्थ्यस्य प्रमुखाः पक्षाः के ?

(1) संरक्षणात्मकः पक्षः

(2) निषेधात्मकः पक्षः

(3) उपचारात्मकः पक्षः

(4) सर्वे

107. मानसिक स्वास्थ्यं प्रति बाधकः अस्ति ?

(1) आत्मविश्वासः

(2) अनिर्णय क्षमता

(3) परिपक्वता

(4) वास्तविकतायाः स्वीकृतिः

108. मानसिक-स्वास्थ्यस्य विज्ञानस्य प्रमुखः प्रतिपादकः कः ?

(1) लेण्डिस एवं बोल्सः

(2) ड्रेवरः

(3) पेज़ः

(4) सी.डब्ल्यू. बीयर्सः

109. प्रतिमानं चिन्तनस्य विधिः अस्तीति कस्य कथनम् ?

(1) रयान वर्यस्य

(2) हायमन वर्यस्य

(3) टाबा वर्यस्य

(4) सचमैन वर्यस्य

110. कः युग्मः अनुचितः अस्ति ?

(1) आगमन शिक्षण–प्रतिमानम् – हिल्दा टाबा

(2) अग्रिम व्यवस्था–प्रतिमानम् – रोजर्स

(3) विकासात्मक – प्रतिमानम् – पियाजे

(4) सामाजिकपृच्छा प्रतिमानम् – कॉक्स वॉरोयन च

111. पृच्छा प्रशिक्षण–प्रतिमानस्य किं प्रयोजनम् अस्ति ?

(1) वैयक्तिक क्षमतानां विकासः

(2) प्रत्ययानां तथ्यानां च बोधः

(3) अन्वेषण प्रणाल्याः विकासः

(4) आगमन तर्काणां विकासः

112. सम्प्रेषणस्य सिद्धान्तो नास्ति ?

(1) शब्दाश्रितता

(2) स्पष्टता

(3) एकरूपता

(4) पर्याप्तता

113. शिक्षण प्रतिमानस्य किम् आधारभूतं तत्त्वं नास्ति ?

(1) उद्देश्यम्

(2) व्यवहार प्रणाली

(3) सामाजिक प्रणाली

(4) सहायक प्रणाली

114. शिक्षणाधिगम प्रक्रियायां प्रौद्योगिक्याः अनुप्रयोगः किं कथ्यते ?

(1) सूचनाप्रौद्योगिकी

(2) सूचना सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी

(3) सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी

(4) शिक्षा प्रौद्योगिकी

115. अनुदेशन प्रौद्योगिक्याः विषये किम् असंगतम् अस्ति ?

(1) एषा संज्ञानात्मकोद्देश्यानां कृते उपयोगिनी भवति ।

(2) शिक्षिकानुपस्थितेः अपि प्रभाविनी भवति ।

(3) सामूहिकावबोधाय बलं ददाति ।

(4) समाधानावबोधाय एषः उपयोगी भवति ।

116. अनुदेशनस्य विषये किं ग्राह्यते ?

(1) केवलं स्मृतिस्तरीयः अधिगमः

(2) संज्ञानात्मकः अधिगमः

(3) उभयं समीचीनम्

(4) नोभयं समीचीनम्

117. कठोर तन्त्रोपागम सापेक्ष प्रौद्योगिकी कथयति ?

(1) लुम्सडेन

(2) स्लिवरमेन

(3) सिडनी प्रेसी

(4) एकौफ

118. प्रबन्धनोपागमः किम् उच्यते ?

(1) कठोरतन्त्रोपागमः

(2) मृदुलतन्त्रोपागमः

(3) प्रणाली उपागमः

(4) यन्त्रोपागमः

119. शुभाशुभाख्य फलज कार्यः कस्मात् भावात् निर्णयः
(1) लग्न भावात् (देहात्)
(2) पंचम भावात् (सुतात्)
(3) एकादश भावात् (लाभात्)
(4) नवम भावात् (भाग्यात्)

120. 'पाताल' कस्य भावस्य अपरं नाम ?
(1) द्वितीय
(2) चतुर्थ
(3) द्वादश
(4) लग्न

121. अष्टम भावस्य पर्यायः
(1) वाक्
(2) तनय
(3) वपुः
(4) रन्ध्रः

122. त्रिकोणम् उक्तम्
(1) व्यय-रिपु-सहजं
(2) पुत्रं धर्माख्यम्
(3) कलत्रम्
(4) मृत्यु लाभम्

123. चन्द्रस्य मित्राः
(1) रवीन्दु तनयौ
(2) शुक्रार्कजों
(3) कुजगुरु
(4) सितज्ञौ

124. ग्रहः स्वस्थानतः कस्मिन् भावेपूर्ण दृष्ट्या पश्यति
(1) स्मर गृहे
(2) दशमे
(3) तृतीये
(4) पञ्चमे

125. सितः (शुक्रः) राशीशः भवति ?
(1) मिथुन – कन्या
(2) वृष – तुला
(3) मेष – वृश्चिक
(4) धनु – मीन

126. मनुजः क्लेश भाक् द्रव्यहीनो भवति-चेत्
(1) केन्द्रे धनेशः
(2) कोशाधीशः सुरगुरु सहितः त्रिके स्थितः
(3) शुक्र त्रिकस्थ
(4) चतुर्थेशः तनुस्थः

127. गृहालभ्य योगः स्यात् चेत्
(1) पापखेटा सुख भावे
(2) तनुपति सहितः चतुर्थेशः अन्यक्षेत्रे
(3) शुभ भवने अंगाधीशः
(4) स्वराशौ पातालेशः

128. छायापुत्रः (शनिः) स्वगेहात् पञ्चमे (सुते) यदि भवति
(1) सन्तति प्राप्तेः विलम्बं
(2) सन्तानहीन जातकं
(3) एकः पुत्रः स्यात्
(4) कन्या सन्ततिः अधिकं

129. चेत् निधन भवनपः रन्ध्रस्थो
(1) चिरायुः भवति
(2) अल्पायुः भवति
(3) मध्यमायुः भवति
(4) सन्तानो न भवति

130. कासाम् तिथीनां पूर्णा संज्ञा ?
(1) 4, 9, 14
(2) 1, 6, 10
(3) 5, 10, 15
(4) 5, 10, 13

131. होलाष्टक दिवसाः के ?

(1) होलिका दिवसात् पूर्वम् अष्ट दिवसाः

(2) दीपोत्सवात् पूर्वम् अष्ट दिवसाः

(3) होलिका दिवसात् पश्चात् अष्ट दिवसाः

(4) होलिका दिवसात् पूर्वम् अष्टादश दिवसाः

132. कृष्णपक्षे कासु तिथिषु भद्राविचारो भवति

(1) तृतीया दशभ्योः अन्त्यार्धे

(2) तृतीया दशभ्योः पूर्वार्धे

(3) अष्टमी पञ्चदश्योः अन्त्यार्धे

(4) अष्टमी पञ्चदश्योः पूर्वार्धे

133. रोहिणी नक्षत्रस्य अधिपः कः ?

(1) मित्रः

(2) ब्रह्मा

(3) रवि

(4) इन्द्रः

134. सुलोचन संज्ञा केषाम् नक्षत्राणाम्

(1) वसुपुष्य धातृ

(2) रवि विश्वमित्र

(3) शिव पितृजैक चरणः

(4) स्वात्यदितिश्रवः

135. विपणि मुहूर्तः भवति ?

(1) कुम्भलग्ने

(2) रिक्तातिथिषु

(3) पूर्वाषाढ़ नक्षत्रे

(4) रेवती नक्षत्रे

136. चेच्चन्द्रमा कृत्तिकानक्षत्रे विशाखायां सूर्यश्च होमाहुतिः शुभोऽशुभो वा ?

(1) शुभः

(2) अशुभः

(3) मध्यमः

(4) किञ्चित् फलं न

137. सूतिका स्नान मुहूर्तः केषु नक्षत्रेषु शुभः ?

(1) उत्तरात्रय रोहिणी

(2) पूर्वात्रय मृगशिरा

(3) पूर्वात्रय रोहिणी

(4) उत्तरात्रय मूलं

138. विद्यारम्भ मुहूर्ते शुभाः वासराः

(1) रवि–भौम

(2) बुध–सित (शुक्र)

(3) शुक्र–शनि

(4) गुरु–शनि

139. अपराह्ने किं 'मुहूर्त' न करणीयम् ?

(1) विद्यारम्भः

(2) कर्णवेधम्

(3) उपनयनम्

(4) क्षौर कर्म

140. स्वर्गस्थ भद्रा कीदृशी भवति ?

(1) धनागमः

(2) शुभदा

(3) रोगकारिणी

(4) आयुष्कारिणी

141. षोडशभिश्च द्रम्मैः अवगम्यः ?

(1) काकिणी

(2) पणः

(3) निष्कः

(4) वराटका

142. वंशः भवति ?

(1) क्रोश चतुष्टयेन

(2) कराणां दशकेन

(3) चतुर्भिश्च भुजैर्निबद्धम्

(4) अष्ट संख्यैः यवोदरैः

143. भक्तो गुणः शुध्यति येन तेन लब्ध्या च गुण्यो गुणितः फलं वा सूत्रस्योदाहरणम् अस्ति

(1) $135 \times 12 = 135 \times 3 \times 4 = 1620$

(2) $135 \times 12 = 135 \times 8 + 135 \times 4 = 1620$

(3) $135 \times 12 = 135 \times 10 + 135 \times 2 = 1620$

(4) $135 \times 12 = 135 \times 14 - 135 \times 2 = 1620$

144. वर्गे कृती घन विधौ तु घनौ विधेयौ ।

हारांशयोरथ पदे च पद प्रसिद्धयै ।।

सूत्रानुसारेण घन मूलं भवति –

2½ भिन्न संख्यायाः घन तथा घनमूलं भवति

(1) $\frac{125}{8}, \frac{5}{2}$

(2) $\frac{25}{4}, \frac{5}{2}$

(3) $\frac{625}{16}, \frac{5}{2}$

(4) $\frac{8}{25}, \frac{2}{5}$

145. पञ्चांं शपादत्रिलवार्घषष्ठाने की कृतान् ब्रूहि सखे ममैतान् ।

एभिश्च भागैरथ वर्जितानां किं स्यात् त्रयोणां कथयासु शेषम् ।।

$\left(\frac{1}{5} + \frac{1}{4} + \frac{1}{3} + \frac{1}{6} - 3\right)$ लब्धि जातम् ?

(1) $\frac{29}{20}$

(2) $\frac{28}{20}$

(3) $\frac{31}{20}$

(4) $\frac{20}{29}$

146. संख्या स्थानानि प्रयुतस्य समान संख्या वर्तते ?

(1) 100000

(2) 10000000

(3) 1000000

(4) 1000000000

147. अंशाहतिश्छेदवधेन भक्ता लब्धं विभिन्ने गुणने फलं स्यात् । सूत्रस्योत्पत्ति समीचीनम् अस्ति ।

(1) $\frac{अ}{क} \times \frac{अ}{क} = \frac{अ^2}{क^2}$

(2) गुण्य × गुणक = $\frac{अ}{क} \times \frac{ग}{घ} = \frac{अग}{कघ}$

(3) अ $\left(\frac{प \pm स}{ब\ प}\right)$

(4) $\frac{भाज्य \times घ \times क}{भाजक \times घ \times क}$

148. खयुगैश्च सेरैर्भिधानं किम् ?

(1) टंकः

(2) घरिका

(3) मणः

(4) आढ़कः

149. समद्विघात उच्यते ?

(1) गुण्यः

(2) गुणकः

(3) धृतिः

(4) कृतिः

150. तुल्या यवाभ्यां कथिता –

(1) धरणं

(2) घटकः

(3) गुञ्जा

(4) प्रदिष्टः

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK